खेल एक नज़र में

फ्रेंच ओपनः भारत के रोहन बोपन्ना मिश्रित युगल में जीते

पेरिस। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने अपनी कनाडाई पार्टनर गैब्रिएला के साथ फ्रेंच ओपन के मिक्स्ड डबल्स में शानदार शुरुआत करते हुए गुरुवार को पहले दौर की बाधा पार कर ली। बोपन्ना व गैब्रिएला ने ऑस्ट्रेलिया जोड़ी जेसिका मूर व मैट रीड को 6-0, 6-1 से करारी शिकस्त दी। इंडो-कनाडाई जोड़ी ने मैच जीतने के लिए मात्र 39 मिनट का समय लिया। सातवीं वरीय इस जोड़ी का अगला मुकाबला न्यूज़ीलैंड के आर्टम सिटक और यूक्रेन की एलिना स्वितालोना से होगा। इससे पहले पुरुष डबल्स में भी बोपन्ना ने जीत हासिल की थी। नौवीं वरीय बोपन्ना और उरुग्वे के पाब्लो क्यूवास की जोड़ी ने फ्रांस के मथियास बौर्गयू और पॉल हेनरी को 53 मिनट तक चले मुकाबले में आसानी से 6-1, 6-1 से पराजित किया था।

फ्रेंच ओपनः क्ले कोर्ट पर मरे ने जीत दर्ज की

पेरिस। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी एंडी मरे का इस सत्र में क्ले कोर्ट पर संघर्ष का दौर जारी है। मरे ने गुरुवार को स्लोवाकिया के पावर हिटर मार्टिन क्लिज़ॉन पर 6-7, 6-2, 6-2, 7-6 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज कर टेनिस के तीसरे दौर में जगह बना ली। वहीं, नौवीं वरीय एग्निएस्का रदवांस्का को दूसरे दौर में क्वालीफायर एलिसन वान उत्वांक को हराने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। विश्व की 10वें क्रम की रदवांस्का ने 113वें क्रम की बेल्जियम की उत्वांक को 6-7, 6-2, 6-3 से हराया। 2012 में विंबलडन के फाइनल तक पहुंचीं रदवांस्का को जीत के लिए करीब ढाई घंटे संघर्ष करना पड़ा। जनवरी में सिडनी टेनिस के फाइनल में पहुंचने के बाद से रदवांस्का ने पहली बार लगातार मैच जीते हैं। रदवांस्का ने मैच के बाद कहा, 'मैं पिछले कुछ सप्ताह से चोट से जूझ रही हूं। मुझे केवल एक सप्ताह के अभ्यास का मौका मिला, इसलिए मैं तीसरे दौर में पहुंचने पर खुश हूं। पुरुषों में तीसरी वरीय स्टान वावरिंका ने दूसरे दौर में यूक्रेन के एलेक्जेंडर डोलगोपोलोव को 6-4, 7-6, 7-5 से शिकस्त दी। आठवीं वरीयत मारिन सिलिच ने भी तीसरे दौर में ज÷ह बना ली। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने एक घंटा, 38 मिनट तक चले मैच में 11 एस लगाते हुए कोंस्टेटिन क्रेवचुक को 6-3, 6-2, 6-2 से हराया। रूस के कारेन काश्चानोव ने 13वीं वरीय थॉमस बर्डिच को 7-5, 6-4, 6-4 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। आठवीं वरीय जापान के केई निशिकोरी ने फ्रांस के जेरेमी चार्डी को 6-3, 6-0, 7-6 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनायी। महिला व÷ में पांचवीं वरीय एलिना स्वितोलिना ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी कर तीसरे दौर में जगह बनाई। स्वितोलिना ने रूस की स्वेताना पिनरेकोवा को 3-6, 6-3, 6-2 से हराया। मैच के दौरान स्वितोलिना ने 13 विनर्स लगाए और आठ बेजा गलतियां कीं। अगले दौर में उनका सामना माग्दा लिनेट से होगा, जो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के तीसरे दौर में पहुंची हैं। लिनेट ने 29वीं वरीय एना कोंजूह को 6-0, 7-5 से मात दी। दो युवा खिलाड़ियों के बीच मैच में 26वीं वरीय रूस की दारिया कासात्कीना ने 17 वर्षीय मार्केता वांड्राउसोवा को 7-6, 6-4 से मात दी।

कोहली-कुंबले की लड़ाई में हुआ नया खुलासा

नई दिल्ली। विराट कोहली और अनिल कुंबले की लड़ाई में अब एक नया खुलासा हुआ और ये राज खोला है इन दोनों को पिछले काफी समय से जानने वाले शख्स रे जेनिंग्स ने। जेनिंग्स का कहना है कि मैं इन दोनों के बीच अनबन की खबर सुनकर बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कोच रहे जेनिंग्स का कहना है कि कोहली के कहने पर ही उन्हें आरसीबी के कोच पद से हटाया गया था। वो बताते हैं

विदेशी ने खोला राज़

कि न तो उन्हें कोई फोन आया और न ही कोहली से किसी तरह की बात हुई, बस डेनियल विटोरी को अगला कोच नियुक्त कर दिया गया। इसके साथ ही जेनिंग्स ने कहा कि, 'लोगों को अक्सर अच्छा नहीं लगता कि उनसे सवाल पूछे जाएं और उनकी कमियों को गिनाया जाए, लेकिन मुझे पता था कि मैं जो भी कुछ कर रहा हूं वो उसकी भलाई और टीम के अच्छे के लिए कर रहा हूं'। जेनिंग्स के मुताबिक, कोहली बहुत टैलेंटेड हैं लेकिन कभी-कभी वो खुद को खेल से बड़ा समझ लेते हैं। कुंबले और कोहली के बीच कलह की खबर से आश्चर्य नहीं होता, मैं उन दोनों को जानता हूं, दोनों की अलग-अलग राय है।' जेनिंग्स के मुताबिक इन दोनों का व्यक्तित्व काफी अलग है और जब दो लोगों का मिजाज अलग होता है तो उन्हें एक साथ काम करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कोहली काफी अग्रेसिव व्यक्ति हैं और उन्हें अच्छा नहीं लगता जब उनसे कोई सवाल करता है, वहीं कुंबले शांत रहने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन अगर आप कोच हो तो आपको कप्तान के साथ मिलकर काम तो करना ही होगा।

सरिता सिंह ने स्वर्ण पदक जीत बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

पटियाला। उत्तर प्रदेश की सरिता सिंह ने गुरुवार को 21वीं फेडरेशन कप नेशनल सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की हैमर थ्रो स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। सरिता ने 65.25 मीटर तक तार गोला फेंका। इस स्पर्धा का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड मंजू बाला (62.74 मी.) के नाम दर्ज था, जो उन्होंने 2014 में बनाया था। सरिता का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 61.81 मी. का था जो उन्होंने 2016 में किया था। इस प्रतिस्पर्धा में गुंजन सिंह (61.95 मी.) दूसरे, जबकि निधि कुमार (57.99 मी.) तीसरे स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के पहले दिन महिलाओं की शॉटपुट स्पर्धा में भी रिकॉर्ड बना। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पंजाब की मनप्रीत कौर ने 17.04 मीटर तक गोला फेंककर हरबंस कौर का 1997 में चेन्नई में बनाया 16.94 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। मनप्रीत ने अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे स्थान पर रहीं पंजाब की ही रमनप्रीत (14.67 मी.) से दो मीटर आगे रहीं। केरल की आर अनु ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ का मीट रिकॉर्ड तोड़ा। अनु ने 57.39 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। दूसरे स्थान पर रही ओडिशा की जौना मुर्मू ने भी मीट रिकॉर्ड से बेहतर समय निकाला। उन्होंने 57.51 सेकेंड में दौड़ पूरी की। कर्नाटक की अर्पिता एम (57.64 सेकेंड) ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले सुबह के सत्र में तमिलनाडु के एल सूर्या और उनके भाई जी लक्ष्मनन ने क्रमशः महिलाओं और पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीते। सूर्या ने 15:54.78 सेकेंड का समय निकाला, जबकि लक्ष्मनन ने 14:02.90 सेकेंड का समय दर्ज कराया। महिलाओं में महाराष्ट्र की संजीवनी दूसरे और महाराष्ट्र की ही मोनिका अठारे तीसरे स्थान पर रही। पुरुषों में गुजरात के मुरली कुमार ने दूसरा और उत्तराखंड के सुरेश कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। विजेताओं को ओडिशा में जुलाई में होने वाली एशियन एथलेटिक मीट का टिकट मिलेगा।

भारतीय मूल की अनन्या विनय ने जीती नेशनल स्पेलिंग प्रतियोगिता

ऑकसोन हिल। कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो की अनन्या विनय ने गुरुवार को नेशनल स्पेलिंग प्रतियोगिता को जीत लिया। अनन्या को 40,000 डॉलर का नकद पुरस्कार मिला है। गेलॉर्ड नेशनल रिज़ॉर्ट और उपनगरीय वॉशिंगटन के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस वर्तनी प्रतियोगिता को अनन्या ने मार्कोने शब्द का सही उच्चारण कर जीता, जो रेशम या रेयान से बनने वाला एक ड्रेस फेब्रिक है। इस प्रतियोगिता में अलग-अलग राउंड में 25 शब्द पूछे गए थे। इस प्रतियोगिता को जीतने के बाद अनन्या के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। अनन्या ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'आज मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि मेरा सपना पूरा हो गया है। आज मैं इतनी खुश हूं, जिसे शब्दों में बयान नहीं कर सकती हूं। मेरी खुशी का आज कोई ठिकाना नहीं है। यह स्पेलिंग प्रतियोगिता 6 से 15 साल के बच्चों के लिए थी। इसमें 50 अमेरिकी राज्यों से 11 मिलियन से अधिक युवाओं को शामिल किया गया था। इसके अलावा जापान तक के बच्चों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

प्रणीत ने खोला अपनी सफलता का राज

हैदराबाद। भारतीय शटलर बी साइ प्रणीत ने कहा कि फिटनेस में सुधार उनकी सफलता में सबसे अहम भूमिका निभा रह है। प्रणीत ने सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के रूप में अपना पहला सुपर सीरीज खिताब जीतने के बाद रविवार को थाइलैंड ग्रां प्रि की ट्रॉफी पर भी कब्जा किया। प्रणीत ने मंगलवार को गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में संवाददाताओं से कहा, 'खिताब जीतना हमेशा शानदार और बहुत महत्वपूर्ण होता है। सिंगापुर सुपर सीरीज के बाद मैंने तुरंत अपना अगला थाइलैंड ग्रां प्रि टूर्नामेंट जीता। इसे लेकर मैं काफी खुश हूं। मैं पहले से अधिक फिट हो गया हूं। मैंने लंबे समय तक ट्रेनिंग की है। सिंगापुर से पहले मैंने छह हफ्ते तक ट्रेनिंग की और इसके बाद मैंने एक महीने की ट्रेनिंग की। मुझे लगता है कि इससे मेरे फिटनेस के स्तर में सुधार हुआ है। मैं अब और बेहतर खेल रहा हूं।' यह पूछने पर कि क्या उन्हें पिछले साल की तुलना में अपने खेल में सुधार नजर आता है, प्रणीत ने कहा कि सिर्फ फिटनेस का स्तर। मुझे खिताब जीतने के लिए सिर्फ फिटनेस की जरूरत है। कुल मिलाकर मेरे पास अच्छा खेल है, मेरे पास अच्छे स्ट्रोक हैं, लेकिन फिटनेस के बिना ये काम नहीं करते। इसलिए अगर मैं फिट हूं तो मैं और खिताब जीत सकता हूं। इसलिए मेरे खेल के लिए फिटनेस महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सभी कोच और प्रत्येक को पता है कि मेरे खेल के लिए फिटनेस महत्वपूर्ण है। इसलिए मुझे इसे बरकरार रखते हुए इसमें सुधार करना होगा, जिससे कि मैं अच्छा खेल सकूं। प्रणीत ने साथ ही स्वीकार किया कि वह फिलहाल अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मेरे पूरा ध्यान इंडोनेशिया ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन और उसके बाद अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारियां पर है। मैं पहली बार इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेलूंगा।

मोर्गन ने सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिये गेंदबाजों को श्रेय दिया

कार्डिफ। इंग्लैंड ने पिछले दोनों मैचों में 300 से अधिक रन बनाये लेकिन उसके कप्तान इयोन मोर्गन ने इसे बल्लेबाजों का 'औसत प्रदर्शन' करार देते हुए आईसीसी चैंपियन्स ट्राफी के सेमीफाइनल में जगह बनाने का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। इंग्लैंड ने ग्रुप ए में कल यहां न्यूजीलैंड को 87 रन से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। वह अब 14 जून को यहां ग्रुप बी के उपविजेता के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेगा। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर 310 रन बनाये और फिर न्यूजीलैंड को 223 रन पर आउट कर दिया। लियाम प्लंकेट ने 55 रन देकर चार और मैन आफ द मैच जैक बॉल ने 31 रन देकर दो विकेट लिये। मार्क वुड ने केन विलियमसन का महत्वपूर्ण विकेट लिया। मोर्गन ने कहा, ''हमने 10 से 15 रन कम बनाये थे। आजकल जिस तरह का खेल खेला जा रहा उसमें 320 बराबरी का स्कोर है। हमारा बल्लेबाजी प्रदर्शन शायद बराबरी का या उससे कमतर रहा है। यह औसत प्रदर्शन था।'' उन्होंने कहा, ''हमारे प्रत्येक गेंदबाज ने अच्छा प्रदर्शन किया। मेरा मानना है कि उन्होंने बेजोड़ भूमिका निभायी। वे निश्चित तौर पर आज की जीत के नायक रहे। वुड जैसे खिलाड़ी हमारी टीम के लिये काफी उपयोगी हैं।'' इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच चुका है लेकिन मोर्गन ने कहा कि उनकी टीम आखिरी लीग में आस्ट्रेलिया के खिलाफ किसी तरह की ढिलायी नहीं बरतेगी। उन्होंने कहा, ''अगर हम इस टूर्नामेंट में दावेदार के रूप में उतर रहे हैं तो हमें सर्वश्रेष्ठ टीमों को हराना होगा और आस्ट्रेलिया सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। वे वनडे मैचों में हमेशा अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। हमारे लिये वह मैच जीतना काफी महत्वपूर्ण है।'' न्यूजीलैंड के कप्तान विलियमसन को हर तरफ से निराशा का सामना करना पड़ा। हार के अलावा उन पर धीमी ओवर गति के लिये मैच फीस का 40 प्रतिशत और उनके खिलाड़ियों पर 20 प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया।

कोहनी मारने के लिये माफी मांगने जापान जाएगा कोरियाई खिलाड़ी

सोल। दक्षिण कोरिया एक फुटबालर हाल में एशियाई चैंपियन्स लीग मैच के दौरान विरोधी टीम के खिलाड़ी पर कोहनी मारने के लिये माफी मांगने जापान जाएगा। साइतामा में पिछले सप्ताह खेले गये मैच में जेजु युनाईटेड के डिफेंडर बेक डोंग गियु तब बेंच पर बैठे थे जब वह वहां से दौड़कर आये और उन्होंने उरावा रेड्स के कप्तान युकी अबे के सिर पर अपनी कोहनी मार दी। जापानी टीम ने यह मैच 3-0 से जीता।

Business News / बिजनेस न्यूज

ई-कामर्स कंपनियों को देना होगा साइट पर उत्पादों का पूरा ब्यौरा

नई दिल्ली। ई-कारोबार करने वाली कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर और निर्माताओं को बेची जाने वाली सभी पैकेट बंद वस्तुओं पर कुछ निर्धारित सूचनाएं देना अनिवार्य होगा। प्रमुख सूचनाओं में एमआरपी, वजन और शिकायत करने और समाधान की पूरी प्रक्रिया होगी। केंद्र सरकार इस बाबत सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने में जुटी है, ताकि जल्दी से जल्दी इसकी अधिसूचना जारी की जा सके। पिछले दिनों उपभोक्ता मामले मंत्री राम विलास पासवान ने इसके लिए मंत्रालय के आला अफसरों को सख्त लहजे में निर्देश दिया था। ई-कारोबार का बढ़ता दायरा और उपभोक्ताओं की शिकायतों के अंबार से सरकार निपटने की तैयारी बहुत पहले से कर रही है। पासवान ने इस बारे में बहुत पहले ही आश्वस्त किया था। यह पहल उसी दिशा में की गई है। इसके लिए लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटी रुल्स)-2011 में संशोधन करने का फैसला किया है। इसे आफिसियल अधिसूचना से लागू कर दिया जाएगा। संशोधित कानून के लागू हो जाने के बाद मेट्रोलॉजी के निदेशक, नियंत्रक और अधिकारी इसकी अवहेलना करने वाली कंपनियों और ई-कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। ई-कारोबारी कंपनियों को अपनी साइट पर संशोधित कानून के साथ बेचे जाने वाले सभी उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी देनी होगी। उपभोक्ता मामले मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगर ई-प्लेटफार्म से किसी ने कुछ खरीदा, लेकिन वह वस्तु बताई गई गुणवत्ता वाली नहीं निकली तो इसके लिए निर्माता कंपनी ही नहीं, बल्कि ई-कारोबार वाली कंपनी के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। बनाने और बेचने वाली कंपनियां अपने उत्पादों पर रियायत की घोषणा करें अथवा जो उत्पाद की गुणवत्ता को लेकर बताये, अगर वह नहीं निकला तो दोनों दोषी होंगी। इसके लिए कई सख्त नियम बनाये जा रहे हैं, ताकि कोई बचकर निकल न पाये। उत्पादों पर उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान की पूरी जानकारी देना जरूरी होगा। उधर, आन लाइन वेंडर्स एसोसिएशन का कहना है कि उनके लोग इस तरह नियम कानून पर पहले से ही अमल कर रहे हैं। हालांकि पिछले साल ई-कामर्स की कई कंपनियों पर नियमों के अनदेखी करने को लेकर पैकेज्ड कमोडिटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी। मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि कानून को संशोधन के लिए विधि मंत्रालय भेजा गया था, जिसकी अधिसूचना ही जारी करना बाकी रह गया है। संशोधित कानून आयातित वस्तुओं पर भी लागू होगा।

प्लास्टिक उत्पादों पर जीएसटी की दरों से उद्योंगों को हो रही है परेशानी

नई दिल्ली। प्लास्टिक उद्योग ने सरकार से जनता के रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले प्लास्टिक उत्पादों पर जीएसटी की विसंगति दूर करने का आग्रह किया है। उद्योग ने जीएसटी का स्वागत करते हुए कहा है कि इन आइटमों पर निर्धारित दरों में कई तरह की विसंगतियां हैं। उद्योग का मानना है कि प्लास्टिक उत्पादों पर जीएसटी की दरें तय करते वक्त जीएसटी काउंसिल की मूल भावना का पालन नहीं हुआ है। जीएसटी काउंसिल ने तय किया था कि रोजमर्रा के उपयोग की आइटमों पर पांच फीसद की मेरिट जीएसटी दर अथवा न्यूनतम मानक दर 12 फीसद होनी चाहिए। कुछ उत्पादों को 18 फीसद की श्रेणी में व लक्जरी उत्पादों को 28 फीसद की दायरे में रखा जाना चाहिए। प्लास्टिक उद्योग की संस्था प्लास्ट इंडिया का मानना है कि कई प्लास्टिक उत्पादों पर जीएसटी तय करते समय जीएसटी काउंसिल की मूल भावना का खयाल नहीं रखा गया। इस उद्योग के प्रतिनिधियों ने अनुरोध किया कि प्लास्टिक उत्पादों का मुख्यतः इस्तेमाल आम आदमी, गरीब व मध्य वर्ग करता है। कुछ प्लास्टिक आइटमों को 12 फीसद से कम के टैक्स दायरे में रखा गया है, लेकिन आइटमों को 18 फीसदी टैक्स ब्रैकेट में रखा गया है। जबकि कुछ आइटमों को 28 फीसदी के ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में रखा गया है। उद्योग प्रतिनिधियों का मानना है कि कर में वृद्धि होने से लघु एवं मध्यम प्लास्टिक इंडस्ट्री प्रभावित होगी। गरीब एवं मध्य वर्ग द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले प्लास्टिक उत्पाद महंगे भी हो जाएंगे। विसंगति को बताते हुए प्लास्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रेसीडेंट के. के. सेक्सरिया ने बताया कि कुछ आइटमों जैसे कि प्लास्टिक फर्नीचर, तारपोलीन वोवन और नॉन ओवन रैफिया फैब्रिक, ऑफिस एवं स्कूलों को आपूर्ति की जाती प्लास्टिक, पीवीसी फ्लोरिंग, पीई इंटरलॉकिंग मैट्स वैक्यूम फ्लास्क और अन्य कई प्लास्टिक के सामान का कहीं उल्लेख नहीं है। इनका इस्तेमाल मुख्यतः आम लोगों द्वारा किया जाता है लेकिन ये 28 फीसदी जीएसटी के दायरे में आ रहे हैं। प्लास्टिक फर्नीचर वजन में हल्के होते हैं, लागत में कम, लेकिन रखने में अधिक स्थान लेते हैं। इनके परिवहन, भंडारण और वितरण की लागत अधिक आती है। जीएसटी दर 28 फीसदी होने के चलते इसका आनुपातिक असर अधिक होगा। सेक्सरिया ने आगे कहा, 'मौजूदा प्रत्यक्ष कर तंत्र में केंद्रीय उत्पाद शुल्क सिर्फ उत्पादन स्तर पर चुकाया जाता है लेकिन जीएसटी टैक्स तंत्र के तहत टैक्स का असर अंतिम उपभोक्ता तक होगा।

लीक नहीं होगी आपकी आधार डिटेल

नई दिल्ली। सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज आपके आधार कार्ड की जानकारी को पहले से ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए सरकार कदम उठा रही है। तमाम सरकारी वेबसाइट्स से आधार कार्ड की जानकारी लीक होने की खबरों के बाद सरकार ने आधार कार्ड में उपलब्ध जानकारी को और सुरक्षित बनाने के लिए सुरक्षा संबंधी कुछ और इंतजाम किये हैं। सभी मंत्रालयों को आधार कार्ड और पर्सनल फाइनेंस संबंधी जानकारी को इंक्रिपटेड करने के निर्देश दिये गए हैं। इन जानकारियों को इंक्रिपटेड करने का अर्थ है कि आधार कार्ड में दर्ज आपकी जानकारी को सर्वर में कोड के जरिए कूटलेखन तरीके से इन्कोड करके रखा जाए÷ा, जिससे इसे चुराया न जा सके। ऐसा करने से आपकी निजी जानकारी पहले से ज्यादा सुरक्षित हो जाएगी। गौरतलब है कि आपकी बायोमेट्रिक डिटेल के आधार पर बना 12 अंक का यूनीक आईडी आधार नंबर आपके बैंक खाते से जुड़ा होता है। जिसके जरिये सरकार तमाम सामाजिक कल्याण से जुड़ी स्कीमों की सब्सिडी सीधे खाते में ट्रांस्फर करती है। आधार कार्ड और पर्सनल फाइनेंस से जुड़ी जानकारी को सुरक्षित रखने और इसके प्रति जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से विभाग के अधिकारियों को डेटा नियमों के उल्लंघन के कानूनी परिणामों के बारे में गंभीरता से बताया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने सभी विभागों को डेटा के रखरखाव को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की हैं। इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि अब हर विभाग में एक अधिकारी नियुक्त होगा जो आधार संबंधी जानकारी की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होगा। इकोनॉमी टाइम्स में प्रकाशित खबर के मुताबिक एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है कि सभी सरकारी विभागों को यह निर्देश दिये गए हैं कि अपने विभाग की वेबसाइट का तत्काल रिव्यु करें और सुनिश्चित करें किसी व्यक्ति की निजी जानकारी वेबसाइट पर न दिख रही हो। डेटा को सुरक्षित रखने के लिए सभी विभागों को क्या करें और क्या न करें वाला दिशानिर्देश जारी किया गया है। इसमें आधार कार्ड और बैंक डिटेल को गोपनीय बनाने और इसको इंक्रिप्टेड करने संबंधी निर्देश दिये गए हैं। सरकार ने नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए यह सुनिश्चित किया है कि समय-समय पर सुरक्षा संबंधी ऑडिट किया जाएगा।